मझगवां में पखवाड़े भर के भीतर फिर कुपोषण का दंश

चार माह के जुड़वां बच्चों की हालत बिगड़ी, जिला चिकित्सालय में उपचार जारी

नवभारत न्यूज
सतना,21 अप्रैल. जिले के चित्रकूट क्षेत्र का तराई अंचल कुपोषण का दंया झेलने के लिए दशकों से अभिशप्त बना हुआ है.

भले ही केंद्र अथवा राज्य सरकार द्वारा व्यवस्था में सुधार करने के तमाम दावे किए जाएं. लेकिन अंतिम पंक्ति में खड़े तराई क्षेत्र के आदिवासियों तक कितनी राहत पहुंच पाती है, इसकी तस्दीक आंकड़ों के जरिए की जा सकती है. अभी पखवाड़े भर पहले ही 11 माह की बालिका की मौत की वजह को दबी ज़बान से कुपोषण बताया जा रहा था. वहीं अब 4 माह के जुड़वा बच्चों की कुपोषण के चलते हालत गंभीर हो जाने की घटना सामने आ गई.

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के चित्रकूट क्षेत्र के मझगवां विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम सुरंगी पथरा में कुपोषण का नया मामला सामने आने से एक बार फिर हड़कंप मच गया. गांव के निवासी नत्थू प्रसाद प्रजापति के जुड़वां बच्चे हैं. 4 माह के नैतिक और प्रांसी की तबियत पिछले कुछ दिनों से खराब चल रही थी. जिसके चलते दोनों का उपचार गांव के ही एक झोला छाप चिकित्सक से कराया जा रहा था. लेकिन उक्त उपचार के बावजूद दोनों बच्चों की हालत में कोई

सुधार नहीं हुआ. जिसके चलते उन्हें उपचार के लिए मझगवां स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. लेकिन दोनों बच्चों की हालत इतनी गंभीर नजर आने लगी कि वहां पर उपचार करने के बाद उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया. जिसके चलते मंगलवार को दोनों बच्चों को जिला चिकित्सालय में बच्चों के आईसीयू वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरु कर दिया गया. चिकित्सालय में उपचाररत दोनों बच्चों की हालत को देखकर स्पष्ट नजर आ रहा है कि दोनों गंभीर तौर पर कुपोषित हैं. दोनों बच्चों का जन्म 20 दिसंबर को हुआ था और अब 4 महीने पूरे हो जाने के बावजूद भी नैतिक का वजह जहां 2 किलो 953 ग्राम है. वहीं प्रांसी का वजन 2 किलो 862 ग्राम है. न सिर्फ दोनों बच्चों के हाथ-पैर बुरी तरह सिकुड़े हुए हैं, बल्कि शरीर के नाम पर हड्डियों का ढांचा ही दिखाई दे रहा है. उपचार कर रहे शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. संजीव प्रजापति के अनुसार दोनों बच्चें के स्वास्थ्य की बारीकी से निगरानी की जा रही है. गौरतलब है कि पखवाड़े भर पहले ही मझगवां क्षेत्र अंतर्गत मतहैन ग्राम पंचायत के कैमहा गांव के निवासी राजललन की 11 माह 20 दिन की बेटी की मौत हो गई थी. हलांकि उक्त बालिका को देखकर सभी उसे गंभीर कुपोषित बता रहे थे. लेकिन गांव में हुए पंचनामे से लेकर शासकीय निरीक्षण में कुपोषण को मौत का कारण नहीं माना गया था.

डरावने आंकड़े

जिले के चित्रकूट क्षेत्र अंतर्गत मझगवां के तराई अंचल में कुपोषण के आंकड़े डराने वाले हैं. आंकड़ों के अनुसार मौजूदा समय में इस क्षेत्र में 1300 से अधिक बच्चे कुपोषण की श्रेणी में आते हैं. जिसमें से 840 बच्चे माइल्ड यानी अपेक्षाकृत कम स्तर के कुपोषित हैं जबकि 460 बच्चे गंभीर कुपोषण की श्रेणी में रखे गए हैं. मामले का काबिलेगौर पहलू यह भी है कि मैदानी स्तर पर हुए सर्वे में कुपोषित बच्चों को चिंहित किए जाने के बावजूद भी महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार उक्त बच्चों को कुपोषण के दंश से बाहर निकाल पाने में अक्षम नजर आ रहे हैं. संभवत: इसी वजह से शासन द्वारा करोड़ों रु खर्च कर बनाए गए एनआरसी केंद्र खाली पड़े नजर आते हैं.

ससुराल से दबोचा गया बालक की हत्या का आरोपी

हिरासत में लेकर पूछताछ जारी, संकलित किए जा रहे साक्ष्य

नवभारत न्यूज
सतना 21 अप्रैल. शहर की बैंक कालोनी क्षेत्र में 11 वर्ष के बालक की सोमवार को हुंई निर्मम हत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को अगले ही दिन उसके ससुराल से दबोच लिया. आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. इसी कड़ी में पुलिस द्वारा घटना से संबंधित आवश्यक साक्ष्य भी संकलित किए जा रहे हैं.

कोलगवां थाना प्रभारी सुदीप सोनी से प्राप्त जानकारी के अनुसार बैंक कालोनी प्रिया नर्सरी के पास संतोष विश्वकर्मा के घर में किराए से रहने वाली महिला श्रीमती आशा रजक के कमरे में नीले रंग के ड्रम में सोमवार को 11 वर्षीय लड़के का शव पाया गया था. मृतक बालक की पहचान शिवराज उर्फ बादल रजक के तौर पर हुई. मृतक बालक की मां श्रीमती आशा द्वारा पड़ोस में रहने वाले मथुरा रजक पर संदेह जताया गया. मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस की टीम आरोपी को पकड़ने के लिए जगह जगह छापेमारी करने लगी. चूंकि प्रमुख संदेही मथुरा रजक सीधी जिले के रामपुर नैकिन थाना अंतर्गत ग्राम कंधवार का मूल निवासी है. इसलिए पुलिस द्वारा उसके सभी रिश्तेदारों से पूछताछ कर जानकारी जुटानी शुरु कर दी. इसी दौरान जानकारी मिलने पर पुलिस टीम मथुरा के ससुराल ग्राम अमिलिया कोल्हूडीह में पहुंच गई. जहां पर दबिश देते हुए आरोपी को दबोच लिया गया.

पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पिछले कई वर्षों से उसकी और आशा रजक की जान पहचान थी. लेकिन आशा का छोटा बेटा शिवराज और बड़ी बेटी इस बात से नाराज रहते थे. जिसके चलते वह शिवराज को यह समझाने का प्रयस करता था कि हर बात अपने पिता रमेश को न बताए.

विवाद बढ़ने पर गला दबाया

सोमवार को मथुरा रजक एक बार फिर से आशा के घर में गया और वहां पर मौजूद बालक शिवराज से पूछा कि वह उससे इतना नाराज क्यों रहता है. साथ ही मथुरा ने शिवराज से यह भी कहा कि यदि वह उसकी मां आशा से बातचीत करता है तो यह बातें शिवराज अपने पिता को क्यों बताता है. यह सुनकर शिवराज ने मथुरा से कहा कि वह उसकी मां के साथ कोई बातचीत न करेख अन्यथा वह अपने पिता से बता देगा. इसी दौरान मथुरा और शिवराज के बीच विवाद बढ़ गया. मथुरा ने शिवरातज का गला दबा दिया. जिससे वह बेहाश सा हो गया. यह देख मथुरा ने शिवराज को ड्रम में डालकर हंसिया से गर्दन काट दी. हत्या करने के बाद उसने ड्रम के ढक्कन को बंद कर दिया.

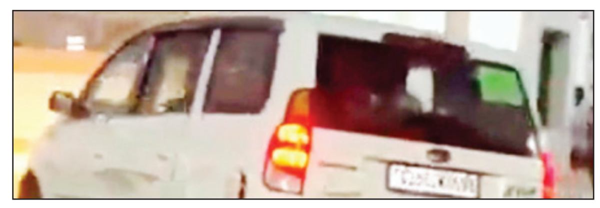

फिल्मी अंदाज में लूट की घटना को दिया अंजाम

कार को टक्कर मारी, रुकते ही झपटी चेन

नवभारत न्यूज
सतना, 21 अप्रैल. जिले के चित्रकूट क्षेत्र स्थित बगदरा घाटी में मंगलवार तड़के करीब 5 बजे 4-5 बदमाशों ने पीछा कर एक कार सवार की सोने की चेन लूट ली। सीधी से लौट रहे युवकों की कार को बदमाशों ने अपनी 2 गाड़ियों से टक्कर मारकर रोकने की कोशिश की और गोदावरी मोड़ पर रुकते ही पीड़ित के गले से चेन झपटकर फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रैपुरा निवासी प्रदीप कुमार पिता राजेंद्र सिंह अपने तीन अन्य साथियों के साथ सीधी से चित्रकूट लौट रहे थे। जब वे बगदरा घाटी से गुजर रहे थे, तभी पीछे से आ रही दो संदिग्ध गाड़ियों ने उनके वाहन को टक्कर मारकर रोकने की कोशिश की। प्रदीप ने घाटी में अपना वाहन नहीं रोका और सीधे गोदावरी मोड़ पर जाकर रुके।

गोदावरी मोड़ पर पीड़ित के रुकते ही दोनों संदिग्ध गाड़ियां भी उनका पीछा करते हुए वहां पहुंच गईं। जैसे ही एक वाहन पास आया, उसमें सवार एक युवक ने पलक झपकते ही प्रदीप के गले से सोने की चेन झपट ली। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों गाड़ियां मौके से फरार हो गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आरोपियों की दोनों गाड़ियों में 4 से 5 लोग सवार थे।

पुलिस को भी दिया चकमा

घटना के तुरंत बाद पीड़ित ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। चित्रकूट स्थित जानकीकुंड अस्पताल के पास बदमाशों के वाहनों को रोकने के लिए पुलिस द्वारा घेराबंदी की गई। हालांकि, बदमाश एफआरवी के आरक्षक को चकमा देकर दोनों वाहन लेकर उत्तर प्रदेश की ओर भाग निकले। पीड़ित पक्ष ने भी अपनी कार से बदमाशों का पीछा किया, लेकिन वे मध्य प्रदेश की सीमा पार कर फरार होने में सफल रहे। पुलिस वीडियो के आधार पर आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

रेलवे कॉलोनी में लोको पायलट के घर में लगी आग

फर्नीचर सहित अन्य घरेलू सामान जलकर खाक

नवभारत न्यूज
सतना, 21 अप्रैल. शहर की रेलवे कॉलोनी में मंगलवार शाम करीब 5 बजे एक रेलकर्मी के घर में आग लग गई। इस घटना में घर का फर्नीचर और अन्य घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लोको पायलट विपिन सिंह के एफ-1 ब्लॉक स्थित फ्लैट नंबर 189 में अचानक आग भड़क उठी। घटना के समय विपिन सिंह दूसरे कमरे में सो रहे थे। धुएं को देखकर जब वे बाहर वाले कमरे में आए, तब तक आग बुरी तरह फैल चुकी थी।आग की सूचना तुरंत आरपीएफ को दी गई। मौके पर पहुंचे दमकल वाहन की मदद से आग पर काबू पाया जा सका। इस दौरान आरपीएफ के अलावा आईडब्ल्यू अधिकारी भी घटनास्थल पर मौजूद थे।

बड़ा हादसा टला

आरपीएफ के अनुसार, दमकल वाहन के समय पर पहुंचने से आग दूसरे कमरों तक नहीं फैल पाई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। यदि आग रसोई तक पहुंच जाती तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। आग से कमरे में रखा फर्नीचर और अन्य सामान जल गया है। आरपीएफ फिलहाल घटना की जांच कर रही है।

पति की खबर लेने नागपुर से सतना पहुंची पत्नी

बीच सड़क दंपत्ति के बीच हुआ विवाद, थाने पहुंचा मामला

नवभारत न्यूज
सतना, 21 अप्रैल. सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के नजीराबाद इलाके में मंगलवार को पति-पत्नी के बीच जमकर विवाद हुआ। आरोप प्रत्यारोप के बीच हाथापाई की नौबत आ गई। मामले को बिगड़ता देख पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को थाने ले जाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता अमरीन खान नागपुर से करीब 700 किलोमीटर का सफर तय कर अपने पति आदिल खान को ढूंढते हुए सतना पहुंची। शर के नजीराबाद स्थित मकान के सामने पहुंचते ही महिला ने पति और सास-ससुर पर गंभीर आरोप लगाए।

महिला का आरोप है कि उसका पति पिछले चार महीनों से उसे छोड़कर सतना में एक अन्य महिला के साथ रह रहा है। साथ ही परिवार वाले उस पर जबरन तलाक देने का दबाव बना रहे हैं, ताकि दूसरी शादी कराई जा सके। पति पत्नी के बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। इस दौरान महिला को मामूली चोटें आई।

पुलिस ने किया हस्तक्षेप

स्थानीय लोगों की सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर दोनों पक्षों के बयान लिए जा रहे हैं। जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने किया जनगणना प्रशिक्षण का निरीक्षण

नवभारत न्यूज
सतना 21 अप्रैल. जनगणना-2027 के तहत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 में चल रहे प्रगणक और सुपरवाइजरों के जनगणना कार्य के चल रहे द्वितीय चरण के तीसरे और अंतिम दिन के प्रशिक्षण का कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. सतीश कुमार एस ने निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिला मास्टर ट्रेनर डॉ. अनुराग वर्धन पाण्डेय, जिला प्रभारी उमेशचन्द्र कुशवाहा तथा सांख्यिकी योजना प्रभारी वीरेन्द्र सिंह उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कक्षों में जाकर कलेक्टर ने जनगणना की अवधारणाओं एचएलओ मोबाइल एप के विषय में प्रशिणार्थियों से प्रश्नोत्तरी की। उन्होंने कार्य के दौरान मई माह में स्वास्थ्य पर ध्यान देने और सभी शासकीय कर्मी, शिक्षकगण पोर्टल पर जाकर अधिकाधिक संख्या में स्वगणना कार्य को प्रोत्साहित करने को कहा।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस में उत्कृष्ट योगदान के लिए कलेक्टर सतना पुरस्कृत

नवभारत न्यूज
सतना 21 अप्रैल. सतना जिले के कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर निर्धारित लक्ष्य राशि से अधिक राशि एकत्रित करने पर राजभवन भोपाल में आयोजित एएसएफ की 25वीं बैठक के दौरान सम्मानित किया गया है।

सतना जिले में लक्ष्य से अधिक राशि संग्रहण करने पर 21 अप्रैल को राजभवन भोपाल में आयोजित समारोह में महामहिम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल द्वारा शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदाय किया गया। सतना कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस की ओर से यह शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवा निवृत्त कर्नल मुनीन्द्र त्रिपाठी द्वारा प्राप्त किया गया। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के लिए जिले को 7 लाख 87 हजार 700 रूपये का लक्ष्य दिया गया था, जबकि सतना जिले ने 11 लाख 5 हजार 366

रूपये की राशि एकत्रित कर उपलब्धि हासिल की।

इस अवसर पर जिले के एक लाख से अधिक सहयोग राशि प्रदान करने वाले सार्थक अस्पताल सतना के डॉ. सुमित अग्रवाल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना के प्रेसीडेंट डॉ. राकेश कुमार अग्रवाल, एकेएस विश्वविद्यालय के डायरेक्टर अनंत सोनी को भी राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। सतना जिले में विगत तीन वर्षो से लगातार सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के लिए निर्धारित लक्ष्य से अधिक राशि संग्रहित की जा रही है।

प्रशिक्षु आईएएस अनिकेत शांडिल्य को दी गई विदाई

नवभारत न्यूज
सतना 21 अप्रैल. सतना जिले में प्रशिक्षण अवधि सफ्लतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात आईएएस अधिकारी सतना के सहायक कलेक्टर रहे अनिकेत शांडिल्य अब मसूरी में आगामी चरण का प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए रवाना हो रहे हैं।

इस अवसर पर मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में एक गरिमामय

एवं भावनात्मक विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने उनकी सेवाओं की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम राहुल सिलाडिया, एलआर जांगड़े, सुमेश द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर सुभाष मिश्रा, डिप्टी कमिश्नर सत्यम मिश्रा, जिला आपूर्ति अधिकारी सम्यक जैन, परियोजना अधिकारी डॉ. गौरव शर्मा, तहसीलदार सौरभ मिश्रा, प्रज्ञा दुबे, मीनाक्षी जायसवाल, अधीक्षक कलेक्ट्रेट विनोद चतुर्वेदी, स्टेनो प्रमोद द्विवेदी, सहित अन्य अधिकारी एवं कलेक्ट्रेट के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

एक नजर में

एके सोनी को राज्यपाल ने किया सम्मानित

सतना। मध्य प्रदेश के राज्यपाल महामहिम श्री मंगू भाई पटेल ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर ए.के.एस. विश्वविद्यालय द्वारा किए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए विश्वविद्यालय के प्रो चांसलर अनंत कुमार सोनी एवं श्रीमती साधना सोनी को सम्मानित किया। यह सम्मान सैनिक कल्याण हेतु एक लाख रुपये से अधिक के योगदान के लिए प्रदान किया गया, जिसे समाज के प्रति एक सराहनीय पहल माना गया। ए.के.एस. विश्वविद्यालय का यह योगदान सशस्त्र बलों के जवानों और उनके परिवारों के हित में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।

शंकराचार्य जयंती पर संगोष्ठी आज

सतना। अनंत श्री विभूषित श्रीमद् जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाभाग पुरी पीठाधीश्वर शिष्य परिवार सतना से आशीष बाजपेयी ने बताया आज वैशाख मास शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि 22 अप्रैल शाम 4-30 बजे भगवान आदि शंकराचार्य जी की जयंती के शुभ अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन रखा गया है

सरदार पटेल स्मारक के ट्रस्टी शिवपाल का निधन

सतना। सरदार वल्लभ भाई पटेल स्मारक ट्रस्ट सतना के ट्रस्टी शिवपाल सिंह जो पूर्व जिला सांख्यिकी अधिकारी रहे हैं और ग्राम गजीगवां के निवासी थे उनका बीती रात इंदौर के अस्पताल में आकस्मिक निधन हो गया। जानकारी में आयौ है कि दिवंगत शिवपाल सिंह का हृदय गति रुक जाने से दुखद निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर बुधवार को सायं लगभग 7 बजे तक सतना स्थित उनके निवास पर पहुंचेगा, जहां अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव शरीर सायं 7 बजे से रखा जाएगा। गुरुवार को ग्राम गाजीगवा में प्रात- 11 बजे अंतिम संस्कार संपन्न किया जाएगा। उनकके निधन पर कुर्मी क्षत्रिय संगठन के जिलाध्यक्ष डॉ दुर्योधन सिंह, जिला पंचायत सदस्य ज्ञानेंद्र सिंह, एड.कमल नयन सिंह सहित आदि लोगों ने श्राद्धाजलि दी है।

युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा की हुई कामकाजी बैठक

सतना। भाजपा युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा की कामकाजी बैठक मंगलवार को भाजपा कार्यालय में भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं युवा मोर्चा के प्रभारी ऋषभ सिंह ,जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सुष्मिता सिंह परिहार, भाजपा जिला महामंत्री जयप्रताप गुप्ता महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनीषा सिंह भाजपा नेता डा पंकज सिंह परिहार रहे । बैठक कि अध्यक्षता भाजयुमो जिला अध्यक्ष सौभाग्य केशरी ने की।

महिला पार्षद एक दिन के लिए बनी नगर निगम परिषद अध्यक्ष

नवभारत न्यूज
सतना, 21 अप्रैल. नगर निगम सतना में पहली बार किसी महिला पार्षद को परिषद अध्यक्ष (स्पीकर) की कुर्सी संभालने का अवसर मिला। नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत आयोजित विशेष परिषद सम्मेलन में निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी पालन ने वार्ड क्रमांक 24 की पार्षद एवं एमआईसी सदस्य प्रीति कुशवाहा को एक दिन के लिए परिषद अध्यक्ष बनाया।

इस पहल को महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। महापौर सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के पार्षदों ने इस निर्णय का स्वागत किया। विशेष सम्मेलन की शुरुआत संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद परिषद में लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के समर्थन में

प्रस्ताव रखा गया। सम्मेलन के दौरान कई महिला पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों की समस्याएं भी उठाईं। वार्ड 31 की पार्षद रजनी तिवारी ने आरोप लगाया कि महिला पार्षदों के क्षेत्रों में विकास कार्यों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि वार्ड क्रमांक 5 में पिछले आठ महीनों से सीवर खुदा पड़ा है, लेकिन काम अब तक शुरू नहीं हुआ।

पार्षदों ने उठाए सवाल

वार्ड 25 की पार्षद नम्रता सिंह ने महिला आरक्षण विधेयक पर विस्तार से जानकारी दी और इसके इतिहास व विशेषताओं पर प्रकाश डाला। वहीं, पार्षद अमित कुमार अवस्थी ने नगर निगम के मस्टर कर्मियों को पिछले दो-तीन महीनों से वेतन नहीं मिलने का मुद्दा उठाया। वार्ड 38 की पार्षद प्रवीण सिंह ने कहा कि महिलाओं के नाम पर विशेष सम्मेलन तो आयोजित किया गया, लेकिन उनकी समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से नहीं सुना जा रहा है।